(256) सन्ध्या और रात्रि के बीच का समय। — गोधूलि
(257) जो गाँव में रहता हो। — ग्रामीण
(258) जहाँ तक जाना है। — गन्तव्य
(259) ग्रहण करने योग्य। — ग्राह्य
(260) गदा धारण करने वाला। — गदाधर
(261) जो एक जगह से दूसरी जगह घूमता रहे। — घुमक्कड़
(262) गद्य-पद्य मय साहित्य-रचना। [2016] — चम्पूकाव्य
(263) जिसके हाथ में चक्र हो। — चक्रपाणि
(264) चिन्ता करने-योग्य। — चिन्तनीय
(265) रोगियों की चिकित्सा का स्थान। — चिकित्सालय
(266) हमेशा रहने वाला। — चिरस्थायी
(267) चन्द्रमा के समान मुख वाली। — चन्द्रमुखी
(268) जिसके चार मुख हों। — चतुरानन/चतुर्मुख
(269) जिसके चार पैर हों। [2017] — चतुष्पद
(270) जिसकी चार भुजाएँ हों। — चतुर्भुज
(271) आँखों से सुनने वाला। — चक्षुःश्रवा
(272) चित्र बनाने वाला व्यक्ति। — चित्रकार
(273) जिस पर चिह्न लगाया गया हो। [2014] — चिह्नित

(274) किसी को सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात। [2016] — चेतावनी
(275) बरसात के चार महीने। — चातुर्मास
(276) करुण स्वर में चिल्लाने की ध्वनि। — चीत्कार
(277) दूसरों के दोषों को खोजना। [2017] — छिद्रान्वेषण
(278) छिप-छिपकर हमला करने वाला। — छापामार
(279) जहाँ छात्र निवास करते हैं। — छात्रावास
(280) नकली वेश धारण करने वाला। — छद्मवेशी
(281) छोटे-से-छोटे दोषों की खोज करने वाला। [2013, 16] — छिद्रान्वेषी
(282) सेना के रहने का स्थान। [2015] — छावनी
(283) आत्मा को जीतने वाला। — जितात्मा
(284) जानने की इच्छा रखने वाला। [2014, 16] — जिज्ञासु
(285) जल से जन्म लेने वाला। — जलज
(286) जनता द्वारा संचालित शासन। [2013] — जनतन्त्र
(287) पेट के अन्दर रहने वाली आग। — जठराग्नि/जठरानल
(288) जल में रहने वाले जीव-जन्तु। — जलचर
(289) किसी बात को जानने की इच्छा। [2013] — जिज्ञासा
(290) जिसने इन्द्रियों को जीत लिया हो। [2010, 11] — जितेन्द्रिय
(291) जीवित रहने की इच्छा। [2012, 13, 14, 17] — जिजीविषा
(292) ऐसा पहाड़, जिससे आग-धुआँ आदि निकले। — ज्वालामुखी

(293) जिसे जानना चाहिए। — ज्ञातव्य
(294) जो सब कुछ जानता हो। [2016] — ज्ञानमय

(220) जिस पर किसी अन्य का कुछ अधिकार न हो। [2014] — एकाधिकार
(221) जिसका चित्त एक जगह स्थिर हो। — एकाग्रचित्त
(222) जो फूल खिला न हो। [2016] — कली
(223) अकेला रहने वाला। — एकाकी
(224) जिसे अपने कर्त्तव्य का बोध न हो। — कर्त्तव्यविद्ध
(225) काँटों से भरा हुआ। [2014] — कँटीला
(226) अपने कर्त्तव्य का निर्णय न कर सकने वाला। [2012] — किंकर्त्तव्यविमूढ़

(227) वृक्षों-लताओं से घिरा हुआ स्थान। — कुंज
(228) किशोरावस्था और युवावस्था के मिलन की आयु। [2012] — कुमारावस्था
(229) बुरी संगति में रहने वाला। — कुसंगी
(230) जो बात लोगों से सुनी गयी है। — किंवदन्ती
(231) उच्च कुल में उत्पन्न। — कुलीन
(232) बहुत तेज बुद्धि वाला। [2014, 17] — कुशाग्रबुद्धि
(233) उपकार को मानने वाला व्यक्ति। [2009, 13, 14] — कृतज्ञ
(234) किये गये उपकार को न मानने वाला व्यक्ति। — कृतघ्न
या जो अपने प्रति की गई भलाई को न माने। [2018]
(235) जो धन खर्च न करे। — कृपण/कंजूस
(236) जो मोल ले लिया गया हो। — क्रीत
(237) जिसका कार्य पूरा हो गया हो। — कृतार्थ
(238) जिसने काल पर विजय पायी हो। — कालजयी
(239) महीने का वह भाग, जब रात्रि में अँधेरा रहता है। — कृष्ण पक्ष
(240) जो स्त्री कविता लिखती हो। [2009, 16] — कवयित्री
(241) सारे शरीर की हड्डियों का ढाँचा [2017] — कंकाल
(242) जिसकी कल्पना की जा सके। — कल्पनीय
(243) क्षण में नष्ट होने वाला। [2017] — क्षणिक
(244) धरती और आकाश के बीच का स्थान। [2012] — क्षितिज
या वह स्थान जहाँ पृथ्वी और आकाश मिलते से दिखाई देते हैं। [2013]
(245) जिसे क्षमा किया जा सके। [2016] — क्षम्य

(246) तोड़कर टुकड़े-टुकड़े किया हुआ। — खण्डित
(247) आकाश में विचरण करने वाला। — खेचर
(248) गंजे सिर वाला। — खल्वाट
(249) ऐसा प्रबन्धकाव्य, जिसमें जीवन का आंशिक वर्णन हो। — खण्डकाव्य
(250) किसी टूटी हुई वस्तु का अवशेष। [2009] — खण्ड
(251) छिपाने के योग्य। — गोपनीय
(252) हाथी जैसी चाल वाली स्त्री। — गजगामिनी
(253) आकाश को छूने/चूमने वाला। [2013] — गगनचुम्बी/गगनस्पर्शी
(254) गुप्त रूप से विचरने वाला राजकर्मचारी। — गुप्तचर
(255) जिसका अनुभव इन्द्रियों से सम्भव हो। — गोचर
(256) सन्ध्या और रात्रि के बीच का समय। — गोधूलि
(257) जो गाँव में रहता हो। — ग्रामीण

(183) किसी के कथन, व्यवहार आदि के सम्बन्ध में ऐसी बात कहना, जिससे वह दोषी जान पड़े। — आक्षेप
(184) किसी बात पर बार-बार जोर देना। [2015, 18] — आग्रह
(185) शासन या प्रशासनिक अनुशासन की क्रूरता से उत्पन्न स्थिति। — आतंक
(186) दूसरे के हित के लिए अपने को संकट में डालना। — आत्मोत्सर्ग
(187) पैर से सिर तक। [2011, 17] — आपादमस्तक
(188) ऐसा व्रत, जो मरने पर ही समाप्त हो। — आमरण
(189) करुण स्वर में चिल्लाने की ध्वनि। — आर्त्तनाद
(190) किसी पात्र आदि के अन्दर का स्थान, जिसमें कोई चीज आ सके। [2016] — आयतन
(191) शीघ्र प्रसन्न होने वाला। — आशुतोष
(192) तत्काल कविता करने वाला। — आशुकवि
(193) रुपये-पैसे से सम्बन्ध रखने वाला। — आर्थिक
(194) जिसे ढाढ़स बँधाया गया हो। — आश्वस्त
(195) इतिहास का विशेषज्ञ। — इतिहासज्ञ
(196) जिस वस्तु की इच्छा हो। [2014] — इच्छित
(197) प्राय: वर्षा ऋतु में आकाश में दिखाई देने वाला सात रंगों वाला धनुष। [2017] — इन्द्रधनुष
(198) दूसरे की वृद्धि देखकर जलन करने का भाव। — ईर्ष्या

(199) पूर्व और उत्तर के बीच की दिशा। — ईशान
(200) दूसरों की उन्नति से जलने वाला व्यक्ति। — ईर्ष्यालु
(201) जिसका हृदय उदार हो। — उदार हृदय
(202) जिसकी उपेक्षा की गयी हो वह स्त्री। — उपेक्षिता
(203) जिसने अपना ऋण उतार दिया हो। [2009] — उऋण
(204) पहाड़ के नीचे की समतल भूमि। — उपत्यका
(205) जल और भू पर समान रूप से चलने वाला। [2014] — उभयचर
(206) आकाश से किसी पिण्ड का जलते हुए गिरना। — उल्कापात
(207) खाने के बाद बचा हुआ जूठा भोजन। [2010] — उच्छिष्ट
(208) बहुत अधिक परिश्रमी व लगनशील व्यक्ति। — उद्यमी
(209) जिसका उल्लेख किया गया हो। — उल्लिखित
(210) ऊपर कहा हुआ। [2013] — उपर्युक्त
(211) जिस भूमि में बहुत अन्न पैदा होता हो। — उर्वरा
(212) सूर्य निकलने का स्थान। — उदयाचल
(213) जिस पर उपकार किया गया हो। — उपकृत
(214) जो ऊपर की ओर भुजा उठाये हो। — ऊर्ध्वबाहु
(215) जिस भूमि में कुछ उत्पन्न न होता हो। — ऊसर/बंजर
(216) जिसका करना इच्छा पर निर्भर हो [2018] — ऐच्छिक
(217) इतिहास से सम्बन्ध रखने वाले तथ्य [2018] — ऐतिहासिक
(218) जिसका एकमात्र अधिकार हो [2018] — एकाधिकारी
(219) जो इच्छा के अधीन हो। — ऐच्छिक
(220) जिस पर किसी अन्य को कुछ अधिकार न हो। [2014] — एकाधिकार
(221) जिसका चित्त एक जगह स्थिर हो। — एकाग्रचित्त

(147) जो काव्य, संगीत आदि का रस न ले। — अरसिक
(148) शरीर का कोई भाग। — अवयव
(149) जिस पर विचार न किया गया हो। — अविचारित
(150) जिसे भुलाया न जा सके / सदा स्मरण रखने योग्य। [2014] — अविस्मरणीय
(151) जो शोक करने योग्य नहीं है। [2016] — अशोक्य
(152) जिसे सहन न किया जा सके। [2011] — असहनीय
(153) जिसे मारना उचित न हो। — अवध्य

(154) किसी प्राणी को न मारना। — अहिंसा
(155) स्त्री जो अभिनय करती हो। [2009, 15] — अभिनेत्री
(156) जिसकी कोई उपमा न हो। — अनुपम
(157) जिसका सम्बन्ध किसी विशेष क्षेत्र से हो। — आंचलिक
(158) धूलभरी जोर की हवा। — आँधी
(159) आकाश में उड़ने वाला जीव। — आकाशचारी
(160) अचानक हो जाने वाला। — आकस्मिक
(161) जिसकी बाँहें घुटनों तक हों। [2016] — आजानुबाहु
(162) सारे जीवन/जीवन भर। — आजीवन
(163) आगे आने वाला। — आगामी
(164) लेखक द्वारा लिखित अपनी जीवनी। — आत्मकथा
या अपने जीवन का स्वलिखित इतिहास। [2013]
(165) अपनी हत्या आप करने वाला व्यक्ति। — आत्मघाती
(166) अपने आपको धोखा देने वाला। [2014, 16] — आत्मवंचक
(167) किसी वस्तु/व्यक्ति का गुण-दोष विवेचन। — आलोचना
(168) विदेशों से बड़ी मात्रा में माल मँगवाने वाला। — आयातक
(169) जो एकदम नयी चीज बनाये। — आविष्कारक
(170) आदर करने-योग्य। — आदरणीय
(171) ईश्वर (वेदों) में विश्वास रखने वाला व्यक्ति। [2013, 16] — आस्तिक
(172) आशा से अधिक। [2015] — आशातीत
(173) जिसने आक्रमण किया हो। — आक्रामक
(174) जिस पर हमला किया गया हो। — आक्रान्त
(175) आदि से अन्त तक। [2014] — आद्योपान्त/आद्यन्त
(176) आराधना किये जाने योग्य। — आराध्य
(177) रोगहीन होने की स्थिति। — आरोग्य
(178) आवेदन करने वाला व्यक्ति/प्रार्थना-पत्र भेजने वाला। — आवेदक
(179) किसी वस्तु को अपनी ओर खींचने का गुण। — आकर्षण शक्ति

(180) ऊपर चढ़ने की क्रिया। — आरोहण
(181) बालक से बूढ़े तक सभा। — आबालवृद्ध
(182) किसी को ऐसी तसल्ली देना, जिससे वह चैन की साँस ले सके। — आश्वासन

(103) जो खाला न जाए। **अचूक**
(104) जो अपने स्वरूप, सामर्थ्य, स्थान आदि से विचलित न हो। **अच्युत**
(105) जो छुआ न गया हो। **अछूता**
(106) जिसे कोई जीत न सका हो। **अजित**
(107) न टूटने वाला। **अटूट**
(108) पदार्थ का सबसे छोटा इन्द्रिय-ग्राह्य विभाग या मात्रा। **अणु**

(109) जिसकी तौल-माप न हो सके। **अतुल**
(110) जिसकी तुलना न हो सके। [2009, 17] **अतुलनीय**
(111) जो दबाया न जा सके। [2010] **अदम्य**
(112) जो दूर की बात न सोच सके। [2013] **अदूरदर्शी**
(113) जिसका अनुभव किया गया हो। [2013] **अनुभूत**
(114) जिसे आँखों से न देखा गया हो। **अदृष्ट**
(115) जो पहले न देखा गया हो। **अदृष्टपूर्व**
(116) धर्म-विरुद्ध कार्य, शास्त्र-विरुद्ध कार्य। **अधर्म**
(117) अधिकार या कब्जे में आया हुआ। **अधिकृत**
(118) सर्वाधिकार-सम्पन्न शासक या अधिकारी। **अधिनायक**
(119) विधानमण्डल द्वारा पारित या स्वीकृत विधि। **अधिनियम**
(120) वह पत्र, जिसमें किसी को कोई काम करने का अधिकार दिया जाए। **अधिपत्र**
(121) अंकित या वास्तविक मूल्य से अधिक ली जाने वाली राशि या शुल्क। **अधिशुल्क**
(122) सरकार द्वारा प्रकाशित या सरकारी गजट में छपी सूचना। **अधिसूचना**
(123) किसी कार्यालय या विभाग का वह अधिकारी, जो अपने अधीन काम करने वाले समस्त कर्मचारियों पर निगरानी रखे। **अधीक्षक**
(124) नीचे की ओर मुख किये हुए। **अधोमुख**
(125) किसी सभा अथवा संस्था का प्रधान। **अध्यक्ष**
(126) राज्य के अधिपति द्वारा जारी किया गया वह आधिकारिक आदेश, जो किसी आकस्मिक या विशेष परिस्थिति में कुछ समय तक लागू हो। **अध्यादेश**
(127) जिसकी अपेक्षा, चाह या परवाह न हो। **अनपेक्षित**
(128) दूसरे के गुणों में दोष ढूँढ़ने की प्रवृत्ति का न होना। **अनसूया**
(129) जिसके आर-पार न देखा जा सके। **अपारदर्शी**
(130) जो पहले कभी न हुआ हो। **अभूतपूर्व**
(131) ऐसा क्षेत्र जहाँ बिल्कुल वर्षा न हुई हो। **सूखाग्रस्त**
(132) जिसका कोई निश्चित निवास-स्थान न हो। **अनिकेत**
(133) जिसका उच्चारण न किया गया हो। [2014] **अनुच्चरित**
(134) जो उत्तर न दे सके। **अनुत्तर, निरुत्तर**

(135) नीचे की ओर खींचना या लाना। **अपकर्ष**
(136) बिना पलक झपकाये हुए। [2015] **अपलक**
(137) जिसको क्षमा न किया जा सके [2017] **अक्षम्य**
(138) दोपहर के बाद का समय। [2016] **अपराह्न**

(66) जहा जाया न जा सके। [2012]	अगम
(67) भला-बुरा समझने की शक्ति न होना।	अविवेक
(68) बिना वेतन लिये काम करने वाला।	अवैतनिक
(69) जो संविधान/नियम के विरुद्ध (प्रतिकूल) हो।	अवैध/अवैधानिक
(70) जो पढ़ा-लिखा न हो।	अशिक्षित
(71) ऐसा रोग, जिसका इलाज सम्भव न हो।	असाध्य
(72) फेंककर चलाया जाने वाला हथियार। [2015]	अस्त्र
(73) किसी प्राणी को हानि न पहुँचाना।	अहिंसा
(74) ईश्वर या उसकी शक्ति का जन्म ग्रहण करना।	अवतार
(75) जिस मेहमान के आगमन की तिथि निश्चित न हो। [2009, 11, 14, 15]	अतिथि
(76) जो पहले कभी न हुआ हो।	अभूतपूर्व
(77) जिसकी उपमा न दी जा सके। [2015, 17]	अनुपम/अनुपमेय
या जिसकी उपमा के योग्य कोई न हो। [2015]	
(78) जो कम खाता हो।	अल्पाहारी/मिताहारी
(79) जिसकी सीमा न हो। [2011, 12, 16]	असीम
(80) जो मापा न जा सके। [2013]	अमापनीय
(81) जिसमें कुछ भी करने की क्षमता न हो।	अक्षम
(82) जिसमें आसक्ति न हो।	अनासक्त
(83) जिसका निवारण न हो सके/जिसे करना आवश्यक हो।	
या जिसके बिना काम न चल सके। [2016]	अनिवार्य
(84) जिस पर नियम काम न दे।	अपवाद
(85) किसी विषय में कुछ न जानने वाला।	अनभिज्ञ
(86) व्यर्थ ही व्यय करने वाला व्यक्ति।	अपव्ययी
(87) जिसका नाश न हो।	अनश्वर
(88) पीछे-पीछे चलने वाला। [2009, 13]	अनुगामी
(89) भोजन ग्रहण न करना।	अनशन
(90) अवसर के अनुसार कार्य करने वाला व्यक्ति।	अवसरवादी
(91) नीचे उतरने की क्रिया।	अवरोहण
(92) जिस पर सन्देह न हो सके।	असन्दिग्ध
(93) जिसका अपहरण कर लिया गया हो।	अपहृत
(94) हिसाब के आय-व्यय आदि के आँकड़ों की जाँच करने वाला।	अंकेक्षक
(95) हाथ या पैर की पहली और सबसे मोटी अँगुली।	अँगूठा
(96) शरीर के किसी अवयव का टूटना।	अंग-भंग
(97) महल के भीतर का वह भाग जिसमें स्त्रियाँ रहती हैं।	अन्त:पुर
(98) जिसका जन्म निम्न जाति में हुआ हो।	अन्त्यज
(99) जिसके पास कुछ न हो। [2015]	अकिंचन
(100) जिसका खण्डन न किया जा सके।	अखण्डनीय
(101) जो कहा न जा सके। [2011, 15]	अकथनीय
(102) जिसका चिन्तन न किया जा सके। [2011]	अचिन्त्य
(103) जो खाली न जाए।	अचूक

या जिसका कोई पालन-पोषण करने वाला न हो। [2013]
या जिसका कोई दूसरा न हो। [2018]

(33) जिसका कोई स्वामी या रक्षक न हो। — **असहाय/अशरण**
(34) जिसका आदर न किया गया हो। — **अनादृत**
(35) जिसं पेड़ के पत्ते झड़ गये हों। — **अपर्ण**
(36) जिसे रोका न गया हो। — **अनिरुद्ध**
(37) जिसका निर्देश न किया गया हो। — **अनिर्दिष्ट**
(38) जो वचन से परे हो। — **अनिर्वचनीय**
या जिसका वचन या वाणी द्वारा वर्णन न किया जा सके। [2016]
(39) जो उत्तीर्ण न हुआ हो। [2009] — **अनुत्तीर्ण**
(40) विशेष कार्य हेतु दी जाने वाली शासकीय आर्थिक सहायता। — **अनुदान**
(41) किसी प्रस्ताव का समर्थन करने की क्रिया। — **अनुमोदन**
(42) किसी का अनुसरण करने वाला/वाले। — **अनुयायी**
(43) जो पहले न पढ़ा गया हो। — **अपठित**
(44) आधा दिन (दोपहर) बीतने के बाद का समय। — **अपराह्न**
(45) जिसका अनुवाद किया गया हो। — **अनूदित**
(46) जो पूरा न हो/जो भरा हुआ न हो। — **अपूर्ण**
(47) जिसकी प्रतीक्षा/आवश्यकता/चाह हो। — **अपेक्षित**
(48) जिसकी आशा न की गयी हो। [2017] — **अप्रत्याशित**
(49) जो सदा से चला आ रहा हो। [2015] — **अनित्य**
(50) जिस पर विश्वास न किया जा सके। [2010, 12] — **अविश्वसनीय**
(51) जिस पर अभियोग लगाया गया हो। — **अभियुक्त**
(52) अभिनय करने वाला व्यक्ति। — **अभिनेता**
(53) जो नायिका प्रिय-मिलन के लिए स्वयं जाये। — **अभिसारिका**
(54) किसी कार्य को बार-बार करना। — **अभ्यास**
(55) जो कभी न मरता हो। — **अमर**
(56) जिसकी कीमत न लगायी जा सके। — **अमूल्य**
(57) कभी निष्फल न होने वाला। — **अमोघ**
(58) जिसका ज्ञान अत्यन्त कम हो/थोड़ा जानने वाला [2009, 11, 16, 17] — **अल्पज्ञ**
(59) बहुत कम बोलने वाला। [2015] — **अल्पभाषी/मितभाषी**
(60) द्वार/चौक में रंगों से बनाया गया चित्र। — **अल्पना**
(61) जो स्थिर न हो। — **अस्थिर**
(62) जिसका वर्णन न हो सके। [2017, 18] — **अवर्णनीय**
(63) बिना विचार के काम करने वाला व्यक्ति। — **अविचारी**
(64) जो बाँटा न जा सके। [2015] — **अविभाज्य**
(65) जिसका विवाह न हुआ हो। [2012] — **अविवाहित**
या जो परिणय सूत्र में न बँधा हो। [2015]
(66) जहाँ जाया न जा सके। [2012] — **अगम**
(67) भला-बुरा समझने की शक्ति न होना। — **अविवेक**

	वाक्यांश (अनेक शब्द)	एक शब्द
(1)	नाटक का एक भाग/पत्र-पत्रिकाओं की निश्चित समय पर प्रकाशित होने वाली प्रति।	अंक
(2)	हाथी हाँकने का लोहे का दण्डाकार काँटा।	अंकुश
(3)	न करने योग्य। [2015]	अकरणीय
(4)	अण्डे से उत्पन्न होने वाला।	अण्डज
(5)	जिसका कहीं भी अन्त न होता हो।	अनन्त
(6)	किसी के पीछे आँख मूँदकर चलना।	अन्धानुकरण
(7)	पद्य-पाठ की ऐसी प्रतियोगिता, जिसमें पहले पढ़े हुए पद्य के अन्तिम अक्षर से आरम्भ होने वाला पद्य प्रतियोगी दल को पढ़ना होता है।	अन्त्याक्षरी
(8)	धरती-आकाश के बीच का स्थान। [2009, 17]	अन्तरिक्ष
(9)	जिसे तर्क/प्रमाण से काटा न जा सके।	अकाट्य
(10)	जो नेत्रों से देखा व समझा न जा सके, जो इन्द्रियों का विषय न हो। [2014]	अगोचर
(11)	जिसकी कल्पना न की जा सके। [2014, 18]	अकल्पनीय
(12)	जो खाने योग्य न हो।	अखाद्य
(13)	सबसे पहले गिना जाने वाला।	अग्रगण्य
(14)	समाचार-पत्र का मुख्य लेख।	अग्रलेख
(15)	पहले उत्पन्न होने वाला।	अग्रज
(16)	बाद में उत्पन्न होने वाला।	अनुज
(17)	जो सबसे आगे रहे।	अग्रणी
(18)	जो कभी बूढ़ा न होता हो।	अजर
(19)	जिसके शत्रु का जन्म ही न हुआ हो। [2016]	अजातशत्रु
(20)	जिसे कोई जीत ही न सके। [2011]	अजेय
(21)	जिसे जाना न जा सके। [2010, 13, 16, 17]	अज्ञेय
(22)	जो अपने स्थान से डिगे नहीं।	अडिग
(23)	बहुत अधिक वर्षा होना। [2016]	अतिवृष्टि
(24)	वर्षा का बिल्कुल न होना।	अनावृष्टि
(25)	किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना।	अतिशयोक्ति
(26)	जिसका इन्द्रियों से अनुभव न हो सके।	अतीन्द्रिय
(27)	जो व्यक्ति जन्म न ले। [2010]	अजन्मा
(28)	जिस पद्य के अन्त में तुक न मिले।	अतुकान्त
(29)	जिसके समान दूसरा न हो। [2012, 17, 18]	अद्वितीय
(30)	जो देखने योग्य न हो।	अदर्शनीय
(31)	किसी पक्ष का समर्थन करने वाला।	अधिवक्ता
(32)	जिसको माता-पिता का आश्रय न मिला हो।	अनाथ
	या जिसका कोई पालन-पोषण करने वाला न हो [2013]	
	या जिसका कोई दूसरा न हो। [2018]	

	एक वर्गीकरण। [2015]
196. वार	द्वार, अवरोध, आवरण, अवसर, सप्ताह का कोई दिन, बाण, दाँव, आक्रमण, प्रहार। [2014]
197. वास	कपड़ा , सुगन्ध, निवास-स्थान।
198. वारिद	बादल, नागरमोथा, सामने आया हुआ (आगत)।
220. सीता	जुती हुई भूमि, जनकसुता।
221. सुरभि	सुगन्ध, कामधेनु, वसन्त। [2017]
222. सूर्य	हमारे सौरमण्डल का बड़ा और ज्वलन्त पिण्ड, बाहर की संख्या, सोना, ताँबा। [2013]
223. स्नेह	प्रेम, तेल, चिकनाई। [2010]
224. सोम	चन्द्रमा, सोमरस, स्वर्ण, सोमवार, कुबेर। [2010, 16]
225. सन	जूट, वर्ष, आवाज।
226. साधना	तप, तपस्या, आराधना, उपासना, कार्य-सिद्धि। [2010, 17]
227. हरि	सूर्य, कृष्ण, इन्द्र, सिंह, सर्प, विष्णु, वानर, मोर, घड़ा, हाथी, कामदेव। [2012, 16]
228. हंस	आत्मा, गुरु, एक पक्षी का नाम, सूर्य। [2009, 18]
229. हार	एक आभूषण का नाम (गले में पहनने हेतु), पराजय, पुष्पमाल। [2009, 14]
230. हाथ	हस्त (कर), सहयोग।
231. हर	शंकर, आग, हरण, हल। [2014]
232. हल	जुताई का यन्त्र, निदान।
233. हलधर	हल धारण करने वाला बैल, बलराम। [2014, 18]
234. हरित	घास, प्रसन्न प्रफुल्लित, हरा रंग।
235. हेम	सोना, सुवर्ण, काला घोड़ा। [2016]

एक प्रकार का राग। [2014]

175. मान सम्मान, परिमाण (नाप-तौल की मात्रा), अभिमान।

176. मेघ बादल, काला। [2009, 13]

177. मित्र सूर्य, सखा (दोस्त)। [2011, 14, 15, 17]

178. मोद सुगन्ध, प्रफुल्लता (प्रसन्नता), कस्तूरी।

179. मुद्रा रुपया, सिक्का, मोहर, अँगूठी, भाव-मुद्रा।

180. मत विचार, वोट, धारणा, सम्प्रदाय, सिद्धान्त।

181. मन्त्र मन्त्र, वेदमन्त्र, सलाह।

182. मंगल सप्ताह का एक दिन, नव ग्रहों में एक ग्रह, शुभ अवसर, कल्याण।

183. मात्रा माप, परिणाम, स्वर-संकेत, मात्राएँ।

184. योग जोड़, योग-साधना, योग्य। [2014]

185. युक्ति योग, मिलन, तर्क, दलील, उपाय। [2017]

186. रक्त खून, तल्लीन, अनुरागी, लाल रंग वाला।

187. रस किसी फल अथवा पेड़-पौधे का तरल पेय पदार्थ, पेय, सार, काव्य का आनन्द, प्रेम। [2014]

188. राग मोह, रंग, लाली, संगीत के स्वर, प्रेम, स्नेह, आसक्ति। [2010, 17]

189. रज धूल, तरल पदार्थ, भस्म, सार।

190. राजा भूप, स्वामी, क्षत्रिय वर्ण।

191. लाल लाल रंग, हीरे-जवाहरात, पुत्र, लालिमा, एक पक्षी।

192. लगन चाह, संलग्न, मुहूर्त्त, लगाव।

193. लक्ष्य उद्देश्य, ध्येय, निशाना, अभीष्ट वस्तु। [2010, 17, 18]

194. वर दूल्हा, श्रेष्ठ, सुन्दर, वरदान। [2017]

195. वर्ण अक्षर, रंग, हिन्दू धर्म में कार्य के आधार पर किया गया समाज का एक वर्गीकरण। [2015]

विचार करने योग्य बात।

200. विषम अत्यन्त कठिन, असम (जो सम न हो), तिरछा।

201. विधि भाग्य, विधाता (ब्रह्मा), तरीका, युक्ति, रीति, कानून। [2009, 13, 16]

202. विग्रह शरीर, लड़ाई, पृथक्, देवता की मूर्ति।

203. वंशी बाँसुरी, दाँव, मछली पकड़ने का काँटा।

204. वन जंगल, जल, समूह, काष्ठ।

205. विहंग पक्षी, बाण, बादल, सूर्य, चन्द्रमा। [2016]

206. विभूति शक्ति, महत्ता, सृष्टि, प्राचुर्य। [2017]

207. शकुनि पक्षी, दुर्योधन का मामा।

208. शशांक मोर, चन्द्रमा, एक राजा।

209. शिखा चोटी, नोक, पेड़ की जड़, आग की लपटें, प्रकाश की किरण।

210. शिव महादेव, महेश, मंगल, कल्याण, सुख, वेद [2016]

211. श्रुति सुनने की क्रिया या भाव, सुनने की इन्द्रिय, कही या सुनी बात, किंवदन्ती, कथन, चारों वेद, चार की संख्या का सूचक शब्द। [2016]

212. शिखी शिखा या शिखाओं (चोटियों) से युक्त, मोर, मुर्गा, एक प्रकार का सारस, बगुला, साँड, घोड़ा, चीता, दीपक, केतु, मेथी, वृक्ष, पर्वत।

213. साल एक वृक्ष का नाम, वर्ष, घाव, शूल, कष्ट होना।

214. सारंग कमल, हंस, घोड़ा, तालाब, भौंरा, साँप, मोर, बादल, हिरण, एक राग (संगीत)। [2011, 13]

215. सार सत, तत्त्व, फौलाद, संक्षिप्त।

216. सोना स्वर्ण, सोना (एक क्रिया) [2008]

217. समुद्र सागर, व्यापक एवं गहरा। [2007]

218. सर तालाब, तीर।

219. संज्ञा चेतना, ज्ञान, बुद्धि संकेत, नाम, सूर्य की पत्नी। [2014]

220. सीता जुती हुई भूमि, जनकसुता।

126. [illegible]

127. **धर्म** कर्म, कर्त्तव्य, कल्याणकारी, स्वभाव, न्याय, आचरण, धारण करने योग्य गुण।

128. **ध्रुव** स्थिर, सुनिश्चित, ध्रुवतारा।

129. **धार** पानी की धारा, चाकू की धार, दूध की धार, सान रखना।

130. **धरा** पृथ्वी, शिरा, गूदा, तल। [2009]

131. **धवल** धव का वृक्ष, बड़ा बैल, छप्पय का एक भेद, सफेद दाग, निर्मल आदि। [2012]

132. **धातृ** धाय माँ, धरती।

133. **धर्मराज** युधिष्ठिर, न्यायी, राजा, बुद्ध।

134. **नव** नवीन (नया), नौ।

135. **नग** नगीना, रत्न, वृक्ष, पर्वत, सूर्य, संख्या। [2011, 12, 15]

151. **पवन** [illegible] [2015]

152. **पृष्ठ** पेज (सफा), पिछला भाग, पीठ।

153. **पानी** जल, लाज, धार, आब, बल। [2016]

154. **पत्नी** वधू, भार्या।

155. **पूत** पुत्र, पवित्र।

156. **पूर्व** एक दिशा का नाम, पहले।

157. **पोत** शावक (पक्षी का शिशु), पानी का जहाज।

158. **प्रभाव** असर, महिमा।

159. **प्रसाद** कृपा, प्रसन्नता, देवता का उच्छिष्ट पदार्थ।

160. **प्रकाश** ज्योति, प्रसिद्धि, विस्तार, शिव आदि। [2012]

161. **पुष्कर** आकाश, जल, कमल, तालाब। [2014]

136. **नदी** पर्वत, झील आदि से निकलने वाला जल का प्राकृतिक प्रवाह, किसी तरल पदार्थ का अत्यधिक प्रवाह, चौदह अक्षरों का एक छन्द। [2013]

137. **नगेश** पर्वतराज, नगेन्द्र, हिमालय।

138. **नाग** सर्प, हाथी, नागेश्वर, मनुष्यों की एक जाति का नाम, एक ओषधि का नाम। [2011, 13, 17]

139. **नाक** नासिका (चेहरे का एक अंग), स्वर्ग, सम्मान, प्रतिष्ठा। [2014, 17]

140. **नागर** चतुर, नगरवासी, नागरमोथा। [2016]

141. **निशाचर** उल्लू, राक्षस, भूत, गीदड़।

142. **नीलकण्ठ** मोर, शिवजी।

143. **पय** पानी, दूध। [2014]

144. **पद** स्थान, पदवी, पैर, छन्द का एक चरण, भाग, गीत। [2010, 14, 15]

145. **पत्र** पत्ता, चिट्ठी, किसी धातु का एक पतरा, पंख, पुस्तक का एक पृष्ठ।

162. **फूल** सुमन, दाह कर्म के पश्चात् शेष अस्थियाँ। [2009]

163. **फल** खाने वाला कोई भी फल, परिणाम, चाकू का फलक, फाल, नोंक।

164. **बलि** धर्म के नाम पर किसी जीव की हत्या, न्योछावर करना, राजा बलि, चढ़ावा।

165. **बल** शक्ति, सेना, टेढ़ापन (तिरछापन)।

166. **बहार** एक राग का नाम, मौसम।

167. **बाल** बालक, केश, गेहूँ की बालें। [2010, 18]

168. **बाण** तीर, बाँस, बाणासुर।

166. **बेला** समुद्र का किनारा, एक फूल।

169. **भव** संसार, जन्म, शिव, हेतु।

170. **भुवन** संसार, त्रिलोक।

171. **भुजंग** साँप, स्त्री का उपपति, सीसा नामक धातु।

172. **भोग** प्रसाद, कर्म-फल, उपभोग, सर्प-फन।

173. **मधु** शहद, मीठा, मद (शराब), पुष्प-रस। [2014, 16]

174. **माधव** विष्णु, वसन्त ऋतु, काला उड़द, एक प्रकार का राग। [2014]

175. **मान** सम्मान, परिमाण (नाप-तौल की

199. **विषय** ज्ञान की एक शाखा, भोग-विलास, विचार करने योग्य बात।

200. **विषम** अत्यन्त कठिन, असम (जो सम न [illegible]

82. खून	रक्त, कत्ल, हत्या।
83. ग्रहण	सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण, स्वीकार करना, लेना।
84. गति	चाल, दशा (हालत), मोक्ष। [2012, 14]
85. गरल	जहर/विष, घास का बँधा हुआ पूला।
86. गिरिधर	गिरि (पर्वत) अर्थात् गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले, श्रीकृष्ण।
87. गुण	विशेषता, स्वभाव, रस्सी, कौशल। [2015]
88. गुरु	ज्ञान देने वाला, शिक्षक, दो मात्राओं वाला अक्षर, भारी। [2009, 12, 14]
89. गो	बैल, भूमि, वाणी, गौ, दिशा। [2009, 13]
90. गोदी	बन्दरगाह, गोद।
91. गत	विगत, मृत, गया हुआ।
92. गर्भ	गर्भस्थ शिशु, मध्य में, गर्भाशय, अन्दर का भाग।
93. घर	मकान, कुल, कार्यालय।
94. घट	शरीर, घड़ा, हृदय, कम होना।
95. घन	बादल, हथौड़ा, सघन, दृढ़। [2011]
96. घोष	अहीरों की बस्ती, गोशाला, छोटी बस्ती, बंगालियों की एक जाति, शब्द, जोर से की हुई पुकार, शब्दों के उच्चारण में होने वाला बाह्य प्रयत्न, ताल के 60 मुख्य भेदों में से एक।
107. जाल	छल, धोखा, मकड़ी का जाला, पक्षियों (मछलियों) को पकड़ने का जाल, झरोखा, फन्दा।
108. ज्येष्ठ	सबसे बड़ा, श्रेष्ठ, एक महीने का नाम, पति का बड़ा भाई।
109. झर	लपट, झड़ी, ताप।
110. ठाकुर	देवमूर्ति विशेषकर विष्णु की, ईश्वर, मालिक, किसी भूखण्ड का स्वामी, नायक, गाँव का जमींदार, पूज्य व्यक्ति, क्षत्रियों की एक उपाधि, नाइयों के लिए एक सम्बोधन।
111. तम	अँधेरा, तामसिक गुण, राहु।
112. तनु	पतला, शरीर, स्वभाव, सुकुमार।
113. तनया	पुत्री (बेटी, लड़की), पिण्वन नाम की लता।
114. ताल	स्वर-ताल, तालाब, ताली बजाना।
115. तात	पिता, भाई, मित्र, गुरु तथा पूज्य व्यक्ति हेतु सम्बोधन। [2016]
116. तिल	तिल का दाना (बीज), थोड़ा-सा, शरीर पर काला बिन्दु।
117. तीर	बाण, तट। [2009]
118. तारा	नक्षत्र, आँखों की पुतली, बलि की पत्नी।
119. तप	संयम, अग्नि, तपस्या, गर्मी, ज्वर।
120. दल	समूह, सेना, पत्ता, पक्ष। [2016]
121. दाम	मूल्य, रस्सी, माला, ढेर, लोक या भुवन, राजनीति की चार युक्तियों में दूसरी।
122. दण्ड	सजा, डण्डा, एक व्यायाम। [2010]
123. दृग	नयन, दृष्टि, [2018]
124. द्रव्य	धन, वस्तु, पदार्थ।
125. द्विज	ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, पक्षी, चन्द्रमा, दाँत। [2010, 12, 14, 15]
126. द्विजराज	ब्राह्मण, गरुड़, चन्द्रमा।
127. धर्म	कर्म, कर्त्तव्य, कल्याणकारी, स्वभाव, न्याय, आचरण, धारण
146. पतंग	सूर्य, पक्षी, कीट-पतंग, पारा, नौका, विष्णु, पतंग। [2010, 13, 14, 15, 16, 17]
147. पंच	पाँच, ग्राम सरपंच, निर्णय करने वाला।
148. पंचानन	शेर, पाँच मुख वाला।
149. पयोधर	स्तन, बादल, समुद्र, गन्ना। [2009, 11, 15, 16, 17]
150. पयोधि	स्तन, बादल, थन।
151. पवन	वायु, साँस, प्राण-वायु। [2013]
152. पृष्ठ	पेज (सफा), पिछला भाग, पीठ।
153. पानी	जल, लाज, धार, आब, बल।

27. अमृत जल, दूध, अन्न, स्वर्ग।

28. अंश भाग, अंक, कला, भिन्न में ऊपरी संख्या, हिस्सा। [2010]

29. अशोक भारत का एक महान् सम्राट, शोकरहित, एक वृक्ष का नाम।

30. अंकुश रोक, बन्धन, हाथी पर नियन्त्रण हेतु लोहे का यन्त्र।

31. अम्बुज कमल, चन्द्रमा, शंख।

32. अकाल दुर्भिक्ष, असमय, कमी।

33. अक्षत सम्पूर्ण, अखण्ड, चावल का दाना।

34. अग्नि आग, पूर्व-दक्षिण के बीच का कोना, भोजन का पाचन करने वाली पेट की शक्ति। [2013]

35. अधर ओठ, बीच, शून्य।

36. अर्थी धनी, याचक, शव को ले जाने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

37. अमृत अविनाशी, अनश्वर, अमर। [2017]

38. अभियोग आरोप, आक्रमण, मनोयोग। [2015]

39. अनुकम्पा दया, हमदर्दी, अनुरूप कम्पन। [2018]

60. [illegible] ब्रह्म, ऋषि आदि। [2012]

61. कर ओला, लम्बाई की एक माप, हाथ, टैक्स, कार्य करने का आदेश, हाथी की सूँड़। [2010, 12, 15, 18]

62. कनक सोना, धतूरा, गेहूँ। [2011, 12, 13, 16]

63. कटाक्ष तिरछी दृष्टि, आक्षेप, व्यंग्य।

64. काम कार्य, कामदेव, प्रयोजन, आशय, लाभ, लालसा।

65. कुल सब, समस्त, वंश। [2011]

66. कुशल दक्ष, भली-भाँति।

67. कृष्ण श्रीकृष्ण, काला, वसुदेव के पुत्र, महीने का अँधेरा पक्ष।

68. कर्ण कान, कुन्ती का ज्येष्ठ पुत्र, समकोण त्रिभुज में समकोण के सामने की भुजा। [2013]

69. कोष खजाना, शपथ, म्यान।

70. कौशिक इन्द्र, विश्वामित्र, उल्लू।

71. काल समय, अकाल, मृत्यु, यमराज। [2016]

72. कन्या लड़की, पुत्री, कन्या राशि।

73. कमल पंकज, पीलिया रोग, पानी, आँख की पुतली। [2013]

74. काँटा शूल, मछली की हड्डी, कील, बड़ी तराजू।

75. कुमकुम केसर, रोली।

76. कुमार छोटा बालक, अविवाहित युवक, राजपुत्र, अग्नि का एक पुत्र, कार्तिकेय, खरा सोना, मंगल ग्रह। [2017]

77. कुम्भ घड़ा, हाथी का सिर, प्रयाग का मेला।

78. काण्ड अध्याय, दुर्घटना, घटना, समूह।

79. खर घास, हानिकारक, कौआ, तेज, अशुभ, गधा।

80. खल दुष्ट, खरल, धतूरा, खलिहान।

81. खण्ड टुकड़ा, भाग (पुस्तक का), मंजिल (मकान की), भाग (हिस्सा)।

82. खून रक्त, कत्ल, हत्या।

97. घनश्याम श्रीकृष्ण, काला बादल। [2012, 17]

98. चक्र पहिया, षड्यन्त्र, एक अस्त्र, चाक, चकवा, चक्रव्यूह। [2009]

99. चपला लक्ष्मी, बिजली, चंचल स्त्री। [2012, 16]

100. चाल गति, षड्यन्त्र, रस्म, रीति, चलने का ढंग।

101. चरण श्लोक या दोहे का पद, पैर।

102. क्षेत्र खेत, स्त्री, शरीर, सीमित भूभाग, मुफ्त भोजन कराने वाला भोजनालय।

103. जलज मछली, मोती, कमल, शंख। [2014]

104. जड़ मूर्ख, अचेतन, मूल, निर्जीव, वृक्ष की जड़। [2015]

105. जनक पिता, राजा जनक, उत्पन्न करने वाला।

106. जीवन पानी, जिन्दगी, आयु।

107. जाल छल, धोखा, मकड़ी का जाला,

शब्द	अनेक अर्थ
1. अर्थ	धन, आकाश, प्रयोजन, व्याख्या, ऐश्वर्य। [2009, 10, 12]
2. अरुण	प्रातः का सूर्य, सूर्य का सारथी, हल्का लाल रंग।
3. अज	परमेश्वर, बकरा, शिव, दशरथ के पिता। [2016]
4. अर्क	काढ़ा, सूर्य, आक का पौधा। [2013, 15]
5. अनन्त	आकाश, जिसका कहीं अन्त न हो, समुद्र, ब्रह्म। [2012, 15]
6. अनुरूप	सदृश, योग्य, उपयुक्त। [2015]
7. अनुपम	बेजोड़, सर्वोत्तम। [2015]
8. अम्बर	आकाश, वस्त्र, बादल। [2010, 13, 14, 16, 17, 18]
9. अंक	संख्या, गोद, भाग्य, चिह्न, नाटक का एक भाग। [2015]
10. अक्ष	ज्ञान, रथ, सर्प, आँख, पहिया, पासों का खेल, एक पैमाना, सुहाना, कानून।
11. अक्षर	कभी नष्ट न होने वाला, ध्वनि, वर्ण, ब्रह्मा, विष्णु, परमात्मा, धर्म, तप।
12. अन्तर	अवधि, व्यवधान, भेद, मध्य।
13. अचल	पर्वत, अडिग, पक्का।
14. अवैध	नियम विरुद्ध, अनैतिक, स्वीकृत, धर्मविरुद्ध।
15. अर्ह	योग्य, मूल्यवान, सम्माननीय।
16. अन्त	सीमा, समाप्ति, मृत्यु, परिणाम, नाश।
17. अलि	भौंरा, कोयला, कौआ, बिच्छू, वृश्चिक राशि, कुत्ता, मदिरा। [2013, 17]
18. अहि	साँप, पृथ्वी, सूर्य।
19. अनर्थ	अनिष्ट, अर्थहीन, निरर्थक, धन का अभाव।
20. अनार्य	असभ्य, अंधम, जो आर्य न हो।
21. अंग	भाग, शरीर के अवयव, भेद।
22. अन्ध	अन्धा, उल्लू, चमगादड़, अन्धकार।
23. अपवाद	निन्दा, कलंक, नियम के बाहर, खण्डन।
24. अमर	अविनाशी, देवता, जो मरे नहीं।
25. अंचल	साड़ी का किनारा, क्षेत्र।
26. अलि	सखी, भ्रमर। [2009, 11]
27. अमृत	जल, दूध, अन्न, स्वर्ग।
28. अंश	भाग, अंक, कला, भिन्न में
40. अनल	अग्नि, वायु। [2018]
41. आरम्भ	शुरू, श्रीगणेश, प्रयत्न। [2015]
42. आम	एक फल का नाम, साधारण।
43. आँख	इन्द्रिय, नयन, चक्षु। [2015]
44. आराम	शान्ति, सुख, उपवन, एक वृत्त, विश्राम, रोगमुक्त होना। [2009]
45. आदि	प्रारम्भ, प्रथम, ईश्वर, इत्यादि।
46. आचार्य	शिक्षक, गुरु, विद्वान्, मन्त्रदाता (दीक्षा देने वाला)।
47. आप	जल, तुम के लिए (आदरार्थ) शब्द, सम्बोधन।
48. आत्मा	सूर्य, अग्नि, ब्रह्मा, परमात्मा।
49. आकृति	चेहरा, पूर्ण बनावट।
50. आग	अग्नि, ईर्ष्या, गरमी।
51. आगम	भविष्य, शास्त्र, आना।
52. और	तथा, अन्य, अधिक, सम्बन्धबोधक शब्द।
53. इन्दु	चन्द्रमा, कपूर।
54. ईश्वर	परमात्मा, राजा, स्वामी, शिव।
55. उत्तर	बाद का, जवाब, उत्तर दिशा। [2011]
56. उजाला	प्रकाश, कुल-दीपक, सूर्य-किरण, चमकता सितारा।
57. ऊपरी	अतिरिक्त, सतही, दिखावटी।
58. कपि	बन्दर, हाथी, सूर्य। [2013, 16, 18]
59. कल	आने वाला दिन, बीता हुआ दिन, मशीन, सुन्दर।
60. कवि	कविता का रचयिता, शुक्र, सूर्य, ब्रह्म, ऋषि आदि। [2012]
61. कर	ओला, लम्बाई की एक माप, हाथ,

(ग),42. (क),43. (ग),44. (क),45. (घ),46. (घ), 47, (घ), 48. (क),49. (क), 50. (ग),51. (क), 52. (घ),53. (ग),5
(ग), 55. (ख), 56. (ग), 57. (ख), 58. (ग), 59. (घ), 60. (ख), 61. (क), 62. (क)

प्रश्न (ख)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्द-युग्मों के सूक्ष्म अन्तर को स्पष्ट कीजिए-
(i) अविराम-अभिराम,
(ii) अवलम्ब-अविलम्ब,
(iii) ग्रह-गृह,
(iv) कुल-कूल,
(v) अभिज्ञ-अनभिज्ञ,
(vi) क्षात्र-छात्र,
(vii) पुरुष-परुष।
उत्तर
(i) अविराम-अभिराम का अर्थ है–निरन्तर-सुन्दर,
(ii) अवलम्ब-अविलम्ब का अर्थ है-सहाराशीघ्र,
(iii) ग्रह-गृह का अर्थ है-नक्षत्र-घर,
(iv) कुल-कूल का अर्थ है-वंश-किनारा,
(v) अभिज्ञ-अनभिज्ञ का अर्थ है—जानकार-अनजान,
(vi) क्षात्र-छात्र का अर्थ हैं–क्षत्रिय-विद्यार्थी,
(vii) पुरुष-परुष का अर्थ है—मनुष्य-कठोर।

(61) अपेक्षा-उपेक्षा [2018]
(क) तुलना और अवहेलना
(ख) समीक्षा और तुलना
(ग) तुलना और स्वागत
(घ) स्वागत और अनादर

(62) कुल-कूल [2018]
(क) वंश और तट
(ख) योग और वियोग
(ग) वंश और योग
(घ) योग और किनारा

उत्तर
1, (ख), 2. (ग), 3. (घ), 4. (क), 5. (क). 6. (ख). 7. (ग), 8. (ग), 9, (ख). 10. (क), 11. (ख), 12, (ख), 13. (क), 14. (क), 15, (ख), 16. (ग), 17. 19. (ग), 20. (ख), 21. (ग), 22, (घ), 23. (क), 24. (क), 25. (ग), 26. (घ), 27. (क), 28 (क), 29. (ख), 30. (ग),31. (क), 32. (क),33. (ग), 34. (घ), 35.(क), 36. (ख),37. (ग), 38. (ख),39. (ख),40. (क),4 (ग),42. (क),43. (ग),44. (क),45. (घ),46. (घ), 47, (घ), 48. (क),49. (क), 50. (ग),51. (क), 52. (घ),53. (ग),54. (ग), 55. (ख), 56. (ग), 57. (ख), 58. (ग), 59. (घ), 60. (ख), 61. (क), 62. (क)

प्रश्न (ख)
निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्द-युग्मों के सूक्ष्म अन्तर को स्पष्ट कीजिए-
(i) अविराम-अभिराम,
(ii) अवलम्ब-अविलम्ब,
(iii) ग्रह-गृह,
(iv) कुल-कूल,
(v) अभिज्ञ-अनभिज्ञ,
(vi) क्षात्र-छात्र,
(vii) पुरुष-परुष।
उत्तर
(i) अविराम-अभिराम का अर्थ है–निरन्तर-सुन्दर,
(ii) अवलम्ब-अविलम्ब का अर्थ है-सहाराशीघ्र,
(iii) ग्रह-गृह का अर्थ है-नक्षत्र-घर,
(iv) कुल-कूल का अर्थ है-वंश-किनारा,
(v) अभिज्ञ-अनभिज्ञ का अर्थ है—जानकार-अनजान,

(55) कांपेश-कपींश [2016]
(क) मटमैला और अंगद
(ख) मटमैला और हनुमान
(ग) बालि और अंगद
(घ) हनुमान और मैला

(56) प्रथा-पृथा– [2016]
(क) तरीका और परम्परा
(ख) अर्जुन और कुन्ती
(ग) रीति-रिवाज और कुन्ती
(घ) परम्परा और पृथ्वी

(57) अनुभव-अनुभूति [2018]
(क) व्यवहार रहित ज्ञान और अव्यावहारिक ज्ञान
(ख) व्यवहार से प्राप्त आन्तरिक ज्ञान और चिन्तन से प्राप्त आन्तरिक ज्ञान ।
(ग) अल्पकालिक ज्ञान और दीर्घकालिक प्राप्त ज्ञान
(घ) व्यावहारिक ज्ञान ओर अव्यावहारिक ज्ञान

(58) ईष्र्या-स्पर्धा [2018]
(क) दूसरों की उन्नति से प्रसन्न होना और दूसरों से प्रेरणा लेना
(ख) दूसरों से द्वेष करना और दूसरों से प्रेम करना
(ग) दूसरों की उन्नति से जलना और दूसरों की उन्नति और गुणों को प्राप्त करने की होड़
(घ) अवनति और उन्नति

(59) अशक्त-आसक्त– [2018]
(क) शक्तिमान-निकट
(ख) समर्थ-लगाव रखने वाला।
(ग) असमर्थ-लगाव रखने वाला
(घ) शक्तिरहित-प्रेम करने वाला

(60) देव-दैव [2018]
(क) देना-आकाश
(ख) देवता-भाग्य
(ग) दाता-विधाता

(49) जगत्-जगत [2015]
(क) संसार और कुएँ का चबूतरा
(ख) संसार और संसारी
(ग) कुआँ और संसार
(घ) घड़ा और पानी

(50) उपल-उत्पल– [2015]
(क) उत्पन्न और ऊपर
(ख) ऊपर और नीचे
(ग) ओला और कमल
(घ) समाप्त और प्रारम्भ

(51) भव-भव्य (2015)
(क) संसार और सुन्दर
(ख) विश्व और व्यापक
(ग) सुख और दुःख
(घ) भौतिक और आध्यात्मिक

(52) कर्म-क्रम [2015]
(क) धर्म और कर्म
(ख) काम और आरम्भ
(ग) कार्य और क्रम
(घ) काम और सिलसिला

(53) आमरण-आभरण– [2013,15]
(क) मृत्यू और आभार
(ख) मृत्यु के निकट और सुन्दर
(ग) मृत्युपर्यन्त और आभूषण
(घ) मृत्यु होना और ढकना

(44) निद्रा-तन्द्रा [2013]
(क) सो जाना और नींद की अर्द्ध-अवस्था या ऊँघना
(ख) नींद और आलस्य
(ग) जागना और सोने जैसी स्थिति
(घ) आलस्य और जाग्रत

(45) आपात-ऑपाद [2014]
(क) विपदा और सम्पदा
(ख) सुख और दुःख
(ग) संकट और निष्कण्टक
(घ) संकटे और पैर तक

(46) क्षति-क्षिति [2014]
(क) हानि और लाभ
(ख) हानि और आकाश
(ग) आकाश और पृथ्वी
(घ) हानि और पृथ्वी

(47) अम्ब-अम्भ (2015)
(क) माता और पानी
(ख) माता और पिता
(ग) आकाश और स्वर्ग
(घ) देवी और देवता

(48) अलि-आली (2015)
(क) भौंरा और सखी
(ख) भौंरा और कली
(ग) कली और भौंरा
(घ) सखी और भौंरा

(39) श्वपच-स्वपच– [2012]
(क) दुष्ट और सज्जन
(ख) चाण्डाल और स्वयंपाकी
(ग) स्वयंपाकी और चाण्डाल
(घ) दुर्जन और साधु

(40) आतप-आपात [2012]
(क) धूप और संकट
(ख) संकट और धूप
(ग) धूप और छाया
(घ) उजाला और अँधेरा

(41) आवरण-आभरण- [2016]
(क) प्रारम्भ और अन्त
(ख) परदा और अन्त
(ग) परदा और गहना
(घ) मृत्यु और ढकना

(42) दुर्लभ-अप्राप्य [2013]
(क) कठिनाई से मिले – बिलकुल न मिले
(ख) हर समय मिले – कभी न मिले
(ग) कभी-कभी मिले – हर समय न मिले
(घ) मिलता हो – खो जाता हो।

(43) उच्छृखल-उद्दण्ड [2013]
(क) तत्पर और उद्धत
(ख) अवांछनीय और साहसी
(ग) नियमबद्ध न होना और जो दण्ड से न डरता हो
(घ) अन्याय से उत्पन्न भय और डर से उत्पन्न व्याकुलता

(34) बिहग-बिहंग
(क) पक्षी और बालक
(ख) पक्षी और तोता
(ग) पक्षी और आकाश
(घ) आकाश और पक्षी

(35) अतिथि-अतिथेय (2010)
(क) जिसके आने की कोई तिथि न हो–अतिथि सेवा करने वाला
(ख) अधिक तिथि–आने वाली तिथि
(ग) अतिथिविहीन-तिथि सहित
(घ) जिसके आने की तिथि हो-जो निश्चित तिथि पर आये

(36) अग-अघ [2010,16]
(क) आगे-पीछे
(ख) अचल-पाप
(ग) नया–पुराना
(घ) सम्पूर्ण-पुण्य

(37) आरत-आराति [2012]
(क) आरती और आरती करने वाला
(ख) प्रेमी और प्रेम से रहित
(ग) दु:ख और शत्रु
(घ) रात्रि के पहले और रात्रि के बाद

(38) जलद-जलधि [2012]
(क) कमल और समुद्र
(ख) बादल और समुद्र
(ग) सिन्धु और आकाश
(घ) जलना और जो जला न हो

(24) श्रान्त-आन्ति-
(क) थकान और खिन्नता
(ख) शान्ति और खिन्नता
(ग) खिल और थकान
(घ) शस्त और अशान्त।

(25) प्रारम्भ-प्रारब्ध-
(क) आरम्भ और योजना
(ख) अथ और इति
(ग) आरम्भ और भाग्य
(घ) शुरू करने की स्थिति और समाप्ति

(26) छात्र-क्षात्र– [2011,14]
(क) छतरीधारी और विद्यार्थी
(ख) विद्यार्थी और नेता
(ग) क्षत्रियधर्मी और विद्यार्थी
(घ) विद्यार्थी और क्षत्रियोचित

(27) नियत-नियति [2013]
(क) निश्चित और भाग्य
(ख) आदत और भाग्य
(ग) प्रकृति और गणना
(घ) आदत और गणना

(28) वहन-बहन
(क) टोना-भागिनी
(ख) बहना-बहिनी
(ग) ढोना-बहना

(30) श्रवण-श्रमण
(क) पाप और पुण्य
(ख) सज्जन और दुर्जन
(ग) कान और भिक्षु
(घ) सावन और परिश्रमी

(31) अंश-अंशु– [2015, 17]
(क) भाग और सूर्य
(ख) सूर्य और भाग
(ग) भाग और किरण
(घ) भाग और वरुण

(32) कटिबंध-कटिबद्ध-
(क) फेंटा और तैयार
(ख) करधनी और तैयार
(ग) तैयार और बाजूबन्द
(घ) उद्यत और उद्धत

(33) निहत-निहित–
(क) डरा हुआ और छिपा हुआ
(ख) छिपा हुआ और डरा हुआ
(ग) मरा हुआ और छिपा हुआ
(घ) हारा हुआ और मरा हुआ

(34) बिहग-बिहंग
(क) पक्षी और बालक
(ख) पक्षी और तोता
(ग) पक्षी और आकाश
(घ) आकाश और पक्षी

(19) उपकार-अपकार [2013]
(क) दूसरे का कार्य और बुरा
(ख) पुकार और न बोलना
(ग) भलाई और बुराई
(घ) अच्छा और दुष्ट

(20) अचार-आचार-
(क) बुरा आचरण और अच्छा
(ख) मुरब्बा और आचरण
(ग) स्थिर और चल
(घ) आम और चारा

(21) भित्ति-भीत–
(क) भक्ति और भाग्य
(ख) द्वार और दीवार
(ग) दीवार और डरा हुआ
(घ) बाहर और भीतर

(22) अमूल्य-अमूल-
(क) मूल-रहित और दूध
(ख) मूलरहित और जड़ रहित
(ग) मूल्य सहित और मूलभूत
(घ) अधिक मूल्यवाला और मूर्ख

(23) भारती-भारतीय
(क) सरस्वती और भारत का रहने वाला।
(ख) भार ढोने वाली और भर्ती करने वाला
(ग) भार में लगी हुई और चुनाव
(घ) एक जाति और एक व्यक्ति

(14) अम्बुज-अम्बुद– [2013, 14, 16]
(क) कमल और बादल
(ख) जल और कमल
(ग) बादल और समुद्र
(घ) समुद्र और कमल

(15) मेघ-मेध–
(क) बादल और कील
(ख) बादल और यज्ञ
(ग) काला और बुद्धि
(घ) बादल और चर्बी

(16) अंस-अंश [2013,17]
(क) अंकुर और हिस्सा
(ख) हिस्सा और अंकुर
(ग) कंधा और हिस्सा
(घ) हिस्सा और कंधा।

(17) जलज-जलद [2009, 14, 16]
(क) बादल और कमल
(ख) कमल और बादल
(ग) कमल और तालाब
(घ) तालाब और कमल

(18) अन्न-अन्य–
(क) अनाज और दूसरा
(ख) भोजन और अनेक
(ग) गेहूँ और वह

(5) वृत्त-वित्त
(क) चरित्र और धन
(ख) धन और दौलत
(ग) गिरोह और घर
(घ) गाँव और घर

(6) बात-वात
(क) भात और दाल
(ख) बातचीत और वायु
(ग) हवा और पानी
(घ) बाट और तराजू

(7) कपट-कपाट [2016]
(क) कप और प्लेट
(ख) किवाड़ और खिड़की
(ग) धोखा और दरवाजा
(घ) पर्दा और किवाड़

(8) पतन-पत्तन-
(क) गिरना और उठना
(ख) पत्ता और फूल
(ग) गिरना और बन्दरगाह
(घ) पर्दा और किवाड़

(9) सुत-सूत [2012]
(क) पुत्र और पिता
(ख) पुत्र और सारथी
(ग) पुत्र और माता

(10) अभिराम-अविराम [2009, 10, 1
(क) सुन्दर और लगातार
(ख) राम और लक्ष्मण
(ग) अब और तब
(घ) सुन्दर और मजबूत।

(11) पास-पाश [2010]
(क) उत्तीर्ण और निकट
(ख) निकट और जाल
(ग) निकट और ऊँचा
(घ) समीप और दूर

(12) पंथ-पथ-
(क) पथिक और रास्ता
(ख) सम्प्रदाय और मार्ग
(ग) चलना और बैठना
(घ) मार्ग और कार्य

(13) अभय-उभय-
(क) निडर और दोनों
(ख) भयरहित और निडर
(ग) निर्भय और कायर
(घ) आभायुक्त और अन्य

(1) अनल-अनिल [2009, 11, 15, 17]
(क) पृथ्वी और आकाश
(ख) अग्नि और वायु
(ग) जल और वायु
(घ) पानी और आग

(2) सकल-शकल [2010, 17]
(क) कला और कृति
(ख) सन् और सम्वत्
(ग) सम्पूर्ण और अंश
(घ) सबल और निर्बल

(3) पुरुष-परुष—- (2015, 17]
(क) नर और नारी
(ख) आदमी और फरसा
(ग) पुरुष और पैसा
(घ) आदमी और कठोर

(4) गृह-ग्रह
(क) घर और नक्षत्र
(ख) घर और गृहस्थी
(ग) गिरोह और घर
(घ) गाँव और घर

158.	व्रत	उपवास
	वृत्त	घेरा
	वित्त	धन
159.	वसन	वस्त्र [2016]
	व्यसन	बुरी आदत
160.	विनियम	विशेष नियम
	विनिमय	अदल-बदल
161.	शशधर	चन्द्रमा [2012]
	शशिधर	शिव
162.	शुल्क	फीस
	शुक्ल	सफेद
163.	शस्त्र	हथियार
	शास्त्र	ज्ञान से पूर्ण ग्रन्थ
164.	शकल	टुकड़ा [2010]
	शक्ल	आकृति
	सकल	सम्पूर्ण [2010]
165.	शोक	दुःख
	शौक	व्यसन
174.	सुवर्ण/स्वर्ण	सोना [2014, 15, 17]
	सवर्ण	उच्च जाति, एक जाति
175.	सम्मान	आदर
	समान	बराबर
176.	सर्ग	सृष्टि, उत्पत्ति
	स्वर्ग	देवताओं का निवास-स्थान
177.	सुगन्ध	सुरभि [2013]
	सौगन्ध	शपथ
178.	हाट	बाजार
	हाड़	हड्डी
179.	हाथ	शरीर का अंग
	हाथी	एक चौपाया पशु
180.	हरण	चोरी
	हरिण	मृग (एक पशु)
181.	हित	उपकार
	हत	मरा हुआ
	हत	मरा हुआ

	परुष	कठोर
117.	पवन	हवा
	पावन	पवित्र
	पावक	आग
118.	प्रणय	प्रेम, प्रीतियुक्त, [2011, 12, 17]
	परिणय	विवाह
119.	पाणि	हाथ
	पानी	जल
120.	प्रवाह	बहाव
	परवाह	चिन्ता
121.	प्रण	प्रतिज्ञा
	पण	बाजी, पैसा
122.	प्रपात	झरना
	प्रताप	तेज
123.	प्रलाप	व्यर्थ की बात
	विलाप	रोना
124.	पण्डित	विद्वान्
	पाण्डित्य	विद्वत्ता
125.	प्रताप	पराक्रम
	परिताप	दुःख
126.	पाहन	पत्थर
	पाहुन	अतिथि
139.	भवन	घर [2009, 13, 14]
	भुवन	संसार
140.	मृत्यु	मौत
	मर्त्य	मनुष्य
141.	मूल	जड़
	मूल्य	कीमत
142.	मलिन	मैला
	मालिन्य	मैलापन
143.	मात्र	केवल
	मातृ	माता
144.	मनोज	कामदेव
	मनोज्ञ	सुन्दर
145.	मत	राय, सलाह
	मति	बुद्धि
146.	यन्त्रणा	कष्ट
	मन्त्रणा	विचार-विमर्श
147.	यति	संन्यासी
	येती	हिममानव
148.	यूक	जूँ
	यूप	बलि का स्थान जहाँ बाँधते हैं
149.	रज	धूल
	रजक	धोबी
150.	रस	आनन्द, अर्क
	रास	लगाम, नृत्य-क्रीड़ा
151.	रुचिर	सुन्दर
	रुधिर	रक्त
152.	लक्ष्य	निशाना, उद्देश्य [2014]
	लक्ष	लाख (संख्या)
153.	लंक	कमर
	लंका	देश-विशेष
154.	विधि	ब्रह्मा
	विधु	चन्द्रमा
155.	वारिद	बादल
	वारिधि	समुद्र
156.	वसुदेव	कृष्ण के पिता
166.	शंकर	महादेव
	संकर	मिश्रित
167.	सूर	सूरदास, सूर्य
	शूर	बहादुर
168.	सर	तालाब [2017]
	शर	बाण
169.	सुत	पुत्र [2012]
	सूत	सारथी
170.	संस्तुति	सिफारिश करना
	संस्तुत	सिफारिश किया हुआ
171.	संस्कृति	सभ्यता
	संस्कृत	सभ्य, एक भाषा
172.	संकीर्ण	संकुचित

79.	छल	कपट
	छाल	वृक्ष का छिलका
80.	जघन	जाँघ
	जघन्य	गर्हित
81.	जलद	बादल [2009]
	जलज	कमल [2016]
82.	जरा	बुढ़ापा
	ज़रा	तनिक
83.	जव	वेग
	यव	जौ
101.	नीर	जल [2009, 14]
	नीड़	घोंसला
102.	नीरद	बादल [2010]
	नीरज	कमल [2010]
103.	नग	पर्वत, वृक्ष, रत्न
	नाग	हाथी, सर्प
104.	नारी	स्त्री
	नाड़ी	नब्ज, नस
105.	निर्माण	बनाना [2013]
	निर्वाण	मोक्ष
106.	निधन	मृत्यु
	निर्धन	गरीब
107.	निश्चित	तय
	निश्चिन्त	बेफिक्र
108.	नियन्त्रण	काबू
	निमन्त्रण	न्यौता
109.	निर्जर	देवता
	निर्जन	सूनसान
110.	नियत	निश्चित [2013]
	नियति	भाग्य
111.	परीक्षक	जाँच करने वाला (जाँचने वाला)
	निरीक्षक	निरीक्षण करने वाला (देख-भाल करने वाला)
112.	प्रसाद	कृपा, भोग[2013, 16, 18]
	प्रासाद	महल
113.	पथ	मार्ग
	पथ्य	रोगी का भोजन
114.	परिणाम	नतीजा, फल
	परिमाण	मात्रा
115.	प्रमाण	साक्ष्य
	प्रयाण	जाना
	प्रणाम	नमन
116.	पुरुष	आदमी [2015]
	परुष	कठोर
127.	पुष्ट	मोटा-ताजा
	पुष्टि	समर्थन
128.	प्रसिद्ध	ख्याति प्राप्त
	प्रसिद्धि	ख्याति
129.	पास	निकट [2010]
	पाश	बन्धन, जाल [2010]
130.	प्रधान	मुख्य
	परिधान	वस्त्र
131.	प्रतिमा	मूर्ति
	प्रतिभा	विलक्षण बुद्धि
132.	प्रहार	आघात
	प्रहर	आठ घड़ी समय
133.	प्रकार	तरीका, किस्म
	प्राकार	परकोटा, प्राचीर
134.	प्रभाव	असर
	पराभव	हार
135.	बदन	शरीर
	वदन	मुख
136.	बात	बातचीत, वचन [2012]
	वात	वायु
137.	बद्ध	बँधा हुआ
	वध	मारना
138.	बाल	बालक
	वृद्ध	बूढ़ा
139.	भवन	घर [2009, 13, 14]

62.	कृपण	कंजूस [2010, 12]
	कृपाण	कटार
63.	कान	कर्ण
	कानि	मर्यादा
64.	केश	सिर के बाल
	केस	डिब्बा
65.	खेचर	आकाशचारी पक्षी
	खच्चर	गधे जैसा पशु
66.	गृह	घर [2017]
	ग्रह	नक्षत्र
67.	गर्व	घमण्ड, अहंकार
	गर्भ	भीतर, गर्भाशय
68.	गणना	गिनती [2009]
	गड़ना	चुभना
69.	गुरु	शिक्षक
	गुर	उपाय
70.	ग्रन्थ	पुस्तक
	ग्रन्थि	गाँठ
71.	गेय	गाने योग्य
	ज्ञेय	जानने योग्य
72.	घाम	गर्मी
	धाम	घर, निवास स्थान
73.	चिर	देर
	चीर	एक वस्त्र
74.	चरण	पैर
	चारण	भाट
75.	चर	सजीव
	अचर	निर्जीव
76.	चतुष्पद	पशु, चौपाया
	चतुष्पथ	चार मार्ग, चौराहा
77.	छात्र	विद्यार्थी [2011]
	क्षात्र	क्षत्रिय का
78.	छत्र	छतरी
	क्षत्र	क्षत्रिय
79.	छल	कपट
	छाल	वृक्ष का छिलका
	तरणी	नाव [2010,14, 16]
85.	तप	तपस्या
	ताप	कष्ट
86.	तर्क	बहस
	तक्र	मट्ठा
87.	तव	तेरा
	तब	उसी समय
88.	तरंग	लहर [2009, 17]
	तुरंग	घोड़ा
89.	तरण	तैरना
	तरुण	युवा
90.	देव	देवता
	दैव	भाग्य
91.	दिन	दिन (दिवस)
	दीन	गरीब
92.	द्रव्य	धन [2009]
	द्रव	तरल पदार्थ
93.	दूत	सन्देशवाहक
	द्यूत	जुआ
94.	देश	राज्य
	द्वेष	ईर्ष्या, जलन
95.	द्विप	हाथी [2009, 13]
	द्वीप	टापू
	दीप	दीपक
96.	दंशन	दाँत
	देशन	काटना
97.	दार	पत्नी
	द्वार	दरवाजा
98.	दोष	विकार, त्रुटि
	दूषित	विकारयुक्त, त्रुटियुक्त
99.	दश	संख्या विशेष
	दंश	डंक
100.	धरा	पृथ्वी
	धारा	पानी का प्रवाह
101.	नीर	जल [2009, 14]

25.	आंशत	खाया हुआ
	असित	काला
26.	अजर	जो वृद्ध न हो
	अजिर	आँगन
27.	अगम	अगम्य
	आगम	भविष्य
28.	अचार	अचार, मुरब्बा
	आचार	आचरण
29.	अपमान	बेइज्जती
	उपमान	सदृश वस्तु
30.	अमल	खट्टा, तेजाब
	अम्ल	नशा, क्रियान्वयन
31.	अनुसरण	पीछे चलना [2009]
	अनुकरण	नकल करना
32.	अंश	भाग (हिस्सा)
	अंशु	सूर्य
33.	अब्ज	कमल
	अब्द	वर्ष
34.	अधूत	भयरहित
	अवधूत	योगी
35.	अपर	दूसरा
	अपार	असीम (अत्यधिक)
36.	अरि	शत्रु
	आरी	काटने वाली आरी
37.	आचरण	व्यवहार
	आवरण	परदा
38.	आकर	खजाना
	आकार	रूप
	आगार	भण्डार
39.	आयत	चौकोर
	आयात	बाहर से मँगाना
47.	उधार	ऋण
	उद्धार	मुक्त
48.	उत्साह	जोश
	साहस	हिम्मत, धैर्य
49.	ओर	तरफ
	और	दूसरा
50.	कपिश	मटमैला [2016]
	कपीश	सुग्रीव
51.	कल्पित	कल्पना किया हुआ
	कल्पान्त	प्रलय, सृष्टि का अन्त
52.	कुल	वंश [2009,14]
	कूल	किनारा
53.	कोष	खजाना
	कोश	शब्द-संग्रह
	कोस	दूरी की माप
54.	कटि	कमर
	कीट	कीड़ा
55.	कान्ति	आभा, चमक
	क्रान्ति	उथल-पुथल, विद्रोह
56.	कंगाल	दरिद्र
	कंकाल	अस्थि-पंजर
57.	केसर	घोड़े या सिंह की गरदन का बाल
	केशर	पराग
58.	कृत	किया हुआ
	कृति	रचना
59.	कँटीला	काँटेदार
	कटीला	धारदार
60.	कच	केश
	कुच	स्तन
	कूच	प्रस्थान
61.	कर्ण	कान
	करण	साधन-इन्द्रिय
62.	कृपण	कंजूस [2010, 12]
84.	तरणि	सूर्य [2010, 13, 16, 17]
	तरुणी	युवती स्त्री [2010, 13]
	तरणी	नाव

(7) समोच्चारित भिन्नार्थक शब्दों के द्वारा

जो शब्द उच्चारण में लगभग समान प्रतीत होते हैं, परन्तु उनके अर्थ भिन्न होते हैं, उन्हें समोच्चारित भी कहा जाता है; यथा-

	शब्द-युग्म	अर्थ
1.	अम्ब	माता
	अम्बु	जल
2.	अशक्त	शक्तिहीन [2011]
	आसक्त	मोहित
3.	अपकार	बुरा करना [2013]
	उपकार	भला करना
4.	अनुरोध	प्रार्थना
	अवरोध	रुकावट, बाधा
5.	अनल	आग [2009, 11, 15]
	अनिल	वायु
6.	अंस	कंधा [2011,12,13, 15, 18]
	अंश	भाग
7.	अनिष्ठ	बुरा
	अनिष्ठ	निष्ठारहित
8.	अवधि	काल-सीमा
	अवधी	भाषा का नाम
9.	अवलम्ब	सहारा [2009, 11]
	अविलम्ब	शीघ्र
10.	अपेक्षा	आशा, इच्छा
	उपेक्षा	निरादर, अनदेखी
11.	अन्त	समाप्त
	अन्त्य	अन्त का, नीच
12.	अनु	पीछे, उपसर्ग
	अणु	छोटा
13.	अन्न	अनाज
	अन्य	दूसरा
14.	अभय	निर्भय
	उभय	दोनों
15.	अभिराम	सुन्दर [2009, 10, 15]
	अविराम	निरन्तर
16.	अयस्	लोहा
	अयश	अपकीर्ति [2016]
17.	अलि	भौंरा
	आली	सखी
18.	अथक	जिसमें थकान न लगे [2009]
	अकथ	जो कहने योग्य नहीं है
19.	अगम	जहाँ पहुँचा न जा सके
	अगोचर	इन्द्रियों से परे हो
20.	अचल	स्थिर
	अंचल	सीमा
21.	अभिज्ञ	जानकार
	अनभिज्ञ	अनजान
22.	अमिट	अटल
	अमित	अत्यधिक
23.	अर्घ	मूल्य
	अर्घ्य	पूजा का द्रव्य
24.	अतुल	जिसकी तुलना न हो सके
	अतल	गहरा
25.	अशित	खाया हुआ
	असित	काला
26.	अजर	जो वृद्ध न हो
	अजिर	आँगन
40.	आदि	प्रारम्भ
	आधि	मानसिक दुःख
	आदी	अभ्यस्त
41.	आवास	निवास
	आभास	प्रतीति
42.	इत	इधर
	ईति	प्राकृतिक प्रकोप
43.	उपयुक्त	उचित
	उपर्युक्त	ऊपर कहा गया
44.	उत्कर्ष	उत्थान
	अपकर्ष	पतन
45.	उद्धत	चंचल, उद्दण्ड [2014]
	उद्यत	तैयार
46.	उपहार	भेंट
	उपचार	इलाज
47.	उधार	ऋण
	उद्धार	मुक्त
48.	उत्साह	जोश
	साहस	हिम्मत, धैर्य

(445) जो संगीत जानता हो। [2018] — **संगीतज्ञ**
(446) एक ही जाति का। — **सजातीय**
(447) एक ही समय में उत्पन्न। — **समकालीन**
(448) जो पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन करता है। [2009] — **सम्पादक**
(449) न बहुत ठण्डा और न बहुत गर्म। — **समशीतोष्ण**
(450) जिसका आचार अच्छा हो/जो अपने आचरणों से पवित्र हो। [2013] — **सदाचारी**
(451) अभी-अभी स्नान किया हुआ/की हुई। [2009] — **सद्य:स्नात/सद्य:स्नाता**
(452) जो सभी प्राणियों को समान भाव से देखता हो। — **समद्रष्टा/समदर्शी**
(453) जिसमें सहने की शक्ति हो। [2014] — **सहनशील**
(454) समान आयु वाला। [2014] — **समवयस्क**
(455) जो एक ही माता के उदर से उत्पन्न हुए हों। — **सहोदर**
(456) जो सब-कुछ जानता हो। — **सर्वज्ञ**
(457) जो सबका प्यारा हो। [2011] — **सर्वप्रिय**
(458) जो कार्य प्रयासपूर्वक हो। — **सप्रयास**

(459) सप्ताह में एक बार होने वाली। — **साप्ताहिक**
(460) सभी लोगों अथवा जनता से सम्बन्ध रखने वाला। — **सार्वजनिक**
या सर्वसाधारण से सम्बन्धित। [2017]
(461) किसी दूसरे के स्थान पर काम करने वाला। [2016] — **स्थानापन्न**
(462) जिसमें सबकी सम्मति है। [2012] — **सर्वसम्मत**
(463) जो पढ़ना-लिखना जानता हो। [2014] — **साक्षर**
(464) गाय जिसके साथ बछड़ा हो। [2010] — **सवत्सा**
(465) जिसका अन्त सुखमय हो। [2015] — **सुखान्त**
(466) सदा सत्य बोलने वाला। [2009, 17] — **सत्यवादी**
(467) जिस स्त्री का पति जीवित हो। [2009] — **सधवा**
(468) जो आसानी से मिल सके। [2009] — **सुलभ**
(469) जो केवल अपने सुख के लिए किया जाए। — **स्वान्त:सुखाय**
(470) स्वतन्त्रता-प्राप्ति के बाद का। — **स्वातन्त्र्योत्तर**
(471) अपने ही बल पर निर्भर रहने वाला। — **स्वावलम्बी**
(472) अन्य स्थान को चले जाना। — **स्थानान्तरण**
(473) अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला। — **स्वयंसेवक/स्वयंसेवी**
(474) स्वयं उत्पन्न होने वाला। — **स्वयम्भू**
(475) हाथ का लिखा हुआ। — **हस्तलिखित**
(476) दूसरे हाथ में गया हुआ। — **हस्तान्तरित**
(477) हित की कामना करने वाला। — **हितैषी**
(478) करुण स्वर में चिल्लाने की ध्वनि। — **करुणक्रंदन**

(408) किसी बात को लिख देना। [2009]	लिखित
(409) परम्परा से चली आ रही उक्ति।	लोकोक्ति या कहावत
(410) वन में रहने वाला।	वनवासी
(411) जिसका वचन या वाणी के द्वारा वर्णन किया जा सके। [2013]	वर्णनातीत
(412) जिस महिला की कोई सन्तान न हो। [2010]	वन्ध्या
(413) जनसाधारण के गीत। [2015]	लोकगीत
(414) किसी बात को लिख देना। [2009]	लिखित
(415) जो व्यर्थ ही अधिक बोलता हो। [2009, 11, 13, 14]	वाचाल
(416) जिसके भीतर की हवा का तापमान सम-स्थिति में रखा गया हो। [2016]	वातानुकूलित
(417) जो विधान द्वारा मान्य हो। [2018]	वैधानिक
(418) बीता हुआ।	विगत
(419) विदेश से सम्बन्ध रखने वाला। [2017]	विदेशी
(420) किसी विषय का प्रकाण्ड पण्डित।	विशेषज्ञ
(421) विश्वास करने-योग्य। [2009]	विश्वसनीय
(422) जो अपने धर्म के विपरीत आचरण करता हो।	विधर्मी
(423) वह पुरुष जिसकी पत्नी मर गयी हो। [2011, 12]	विधुर
(424) वह स्त्री जिसका पति मर गया हो। [2010, 13]	विधवा
(425) जो वन्दना करने योग्य हो। [2015, 18]	वन्दनीय
(426) किसी दूसरी जाति का।	विजातीय
(427) किसी विषय का विशेष ज्ञान रखने वाला।	विशेषज्ञ
(428) जो विज्ञान जानता है।	वैज्ञानिक
(429) विष्णु का उपासक। [2009]	वैष्णव
(430) जो व्याकरण जानता है।	वैयाकरण
(431) पुरुष जिसका विवाह हुआ हो। [2009]	विवाहित
(432) सौ वर्ष का समय।	शताब्दी
(433) जो शब्दों द्वारा व्यक्त न हो सके।	शब्दातीत
(434) शरण में आया हुआ। [2014]	शरणागत
(435) जो शाक खाता है।	शाकाहारी
(436) सदैव रहने वाला। [2015]	शाश्वत
(437) जो शक्ति का उपासक हो।	शाक्त
(438) दो विद्वानों में किसी विषय पर तर्कपूर्ण वाद-विवाद।	शास्त्रार्थ
(439) सौ वर्ष की आयु पूरी करने वाला। [2016]	शतायु
(440) शिष्टाचारवश किया गया कार्य। [2015]	शिष्टाचरण
(441) जो शास्त्र जानता हो। [2015]	शास्त्रज्ञ
(442) श्रद्धा करने योग्य।	श्रद्धेय
(443) जिसका शोषण किया गया हो। [2012]	शोषित
(444) ईश्वर को साकार मानने वाला भक्त।	सगुणोपासक
(445) जो संगीत जानता हो। [2018]	संगीतज्ञ
(446) एक ही जाति का।	सजातीय

(372) जो आँखों के सामने न हो। **परोक्ष**
(373) जो लौट गया है। **प्रत्यावर्तित**
(374) विदेश में रहने वाला। **प्रवासी**
(375) इतिहासकाल से पूर्व का समय। **प्रागैतिहासिक**
या जो क्रमबद्ध इतिहास लिखे जाने के युग से पूर्व का हो। **[2013]**
(376) प्राप्त करने-योग्य। **प्राप्तव्य**
(377) प्रार्थना-पत्र भेजने वाला। **प्रार्थी**
(378) प्रिय बोलने वाली। **प्रियंवदा**
(379) जो केवल फल खाकर रहता हो। **[2012]** **फलाहारी**
(380) बहुत-से रूप धारण करने वाला। **बहुरूपिया**
(381) जल में लगने वाली आग। **बड़वाग्नि**
(382) जो भूखा हो। **बुभुक्षित**
(383) जिसने बहुत विद्वानों को सुना है। **बहुश्रुत**
(384) जो बहुत कुछ जानता हो। **बहुज्ञ**

(385) बहुत-सी भाषाओं को जानने वाला। **बहुभाषाविद्**
(386) जहाँ से अनेक मार्ग चारों ओर जाते हों। **[2013]** **बहुमार्गी**
(387) जिसका मूल्य बहुत अधिक हो। **बहुमूल्य**
(388) वर्ष में एक बार प्रकाशित होने वाला। **वार्षिक**
(389) जिसके जोड़ का कोई दूसरा न हो। **बेजोड़**
(390) छोटे कद का आदमी। **बौना**
(391) दीवारों पर बने हुए चित्र। **भित्तिचित्र**
(392) किसी मत को मानने वाला। **मतानुयायी**
(393) किसी बात का गूढ़ रहस्य जानने वाला। **[2015]** **मर्मज्ञ**
(394) जो मृत्यु के समीप हो। **[2014]** **मरणासन्न**
(395) जो मान-सम्मान के योग्य हो। **माननीय**
(396) संयम से और कम बोलने वाला। **[2013]** **मितभाषी**
(397) संयम से और कम खर्च करने वाला। **[2009, 11, 12]** **मितव्ययी**
(398) जो कम भोजन करता हो। **मितभोजी**
(399) मोक्ष की इच्छा रखने वाला। **[2012]** **मुमुक्षु**
(400) सरकार द्वारा दूसरे देश की तुलना में अपने देश की मुद्रा का मूल्य घटा दिया जाना। **मुद्रा-अवमूल्यन**
(401) नये युग या नयी प्रवृत्ति को जन्म देने वाला। **युगप्रवर्तक**
(402) जो युद्ध में स्थिर हो। **[2012]** **युधिष्ठिर**
(403) किसी देश का दूसरे देश में नियुक्त राजनीतिक प्रतिनिधि। **राजदूत**
(404) रात्रि में विचरण करने वाला। **[2016]** **रात्रिचर**
(405) राज्य के प्रधान शासक द्वारा दिया या निकाला गया आदेश। **[2017]** **राज्यादेश**
(406) जिसे देखकर या सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएँ। **रोमांचकारी**
(407) जिसके पास लाख रुपये की सम्पत्ति हो। **लखपति**
(408) किसी बात को लिख देना। **[2009]** **लिखित**

(335) नया उदित होने वाला।	**नवोदित**
(336) जो नष्ट होने वाला हो। [2014, 15]	**नश्वर**
(337) जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता। [2011, 18]	**नास्तिक**
(338) जहाँ कोई मनुष्य न रहता हो। [2012]	**निर्जन**
(339) निन्दा करने योग्य/जो निन्दा के योग्य हो। [2016]	**निन्दनीय**
(340) निश्चित तिथि पर आने वाला।	**नियमित**
(341) जिसका कोई आकार न हो। [2009, 11]	**निराकार**
(342) जिसका कोई आधार न हो। [2018]	**निराधार**
(343) जिसके हृदय में दया न हो।	**निर्दय**
(344) जिसे कोई भय न हो।	**निर्भय**
(345) जिसकी उपमा न दी जा सके।	**निरुपम**
(346) जिसमें ममता न हो। [2014, 15]	**निर्मम**
(347) जिसने कोई अपराध न किया हो। [2012,18]	**निरपराध**
(348) मध्यरात्रि का समय।	**निशीथ**
(349) नीति को जानने व समझने वाला। [2018]	**नीतिज्ञ**
(350) जो न्यायशास्त्र की बात जानता हो।	**न्यायविद्**
(351) जिसके पाँच मुख हों।	**पंचमुखी**
(352) किसी बात को पंजिका में चढ़ाना।	**पंजीकरण**
(353) अपने पद से हटाया हुआ।	**पदच्युत**
(354) पानी में डूबकर चलने वाली नाव।	**पनडुब्बी**
(355) परम लक्ष्य की कामना करने वाला।	**परमार्थी**
(356) दूसरों के आश्रय में रहने वाला। [2012, 13, 15, 18]	**पराश्रयी**
(357) जो दूसरों पर उपकार करता हो। [2011]	**परोपकारी**
(358) रास्ता दिखाने वाला। [2017]	**पथ-प्रदर्शक**
(359) जो पत्र ले जाता हो/पत्र को ले जाने वाला। [2010]	**पत्रवाहक**
(360) जो पांचाल देश की राजकुमारी हो।	**पांचाली**
(361) पन्द्रहवें दिन वाला।	**पाक्षिक**
(362) जिसके आर-पार देखा जा सके। [2009, 13]	**पारदर्शी**
(363) पृथ्वी से सम्बन्धित। [2014]	**पार्थिव**
(364) पिता की हत्या करने वाला।	**पितृहन्ता**
(365) पीने की इच्छा रखने वाला/पानी पीने का इच्छुक। [2013]	**पिपासु**
(366) पैरों से जल पीने वाला। [2015]	**पादप**
(367) किसी कार्य को बार-बार करना।	**पुनरावृत्ति**
(368) पूर्णिमा की रात्रि।	**पूर्णमासी**
(369) जो तुरन्त किसी बात को सोच ले।	**प्रत्युत्पन्नमति**
(370) समान रूप से आगे बढ़ने की चेष्टा।	**प्रतिस्पर्धा**
(371) जो आँखों के सामने हो।	**प्रत्यक्ष**
(372) जो आँखों के सामने न हो।	**परोक्ष**
(373) जो लौट गया है।	**प्रत्यावर्तित**

(297) किसी पद या सेवा से मुक्ति पाने के लिए लिखा गया पत्र। — त्यागपत्र
(298) तीनों कालों की बात जानने वाला व्यक्ति। — त्रिकालज्ञ
(299) तीनों लोकों का समूह। — त्रिलोक
(300) तीनों युगों में होने वाला। — त्रियुगी
(301) तीन नदियों का संगम। — त्रिवेणी
(302) तीन महीने में एक बार। — त्रैमासिक
(303) दोनों भौंहों के बीच का स्थान। — त्रिकुटी
(304) धरती पर चलने वाला। — थलचर
(305) दर्शनशास्त्र का विद्वान्। — दार्शनिक
(306) दिनभर का कार्य-कलाप। — दिनचर्या
(307) जिसने गुरु से दीक्षा ली हो। — दीक्षित
(308) प्रतिदिन प्रकाशित होने वाला समाचार-पत्र। [2014, 15] — दैनिक
(309) बहुत दूर तक देखने और सोचने वाला। [2013] — दूरदर्शी
(310) देखने-योग्य। — दर्शनीय
(311) एक दल छोड़कर दूसरे में सम्मिलित होने वाला। — दलबदलू
(312) दस वर्ष का समय। — दशक
(313) गोद लिया हुआ पुत्र। [2014, 18] — दत्तक
(314) वन में लगने वाली आग। — दावानल
(315) जिसे दान करने की इच्छा हो। [2013] — दानशील
(316) जो कठिनता से समझ में आये। [2013] — दुर्ज्ञेय
(317) जहाँ पहुँचना कठिन हो। [2015] — दुर्गम
(318) जिसका दमन करना कठिन हो। [2012, 17] — दुर्दमनीय
(319) जिसे प्राप्त करना कठिन हो/जो कठिनाई से मिलता हो। [2013, 16] — दुर्लभ
(320) जिसका निवारण करना कठिन हो। [2012] — दुर्निवार्य
(321) जिसे पार करना कठिन हो। — दुस्तर
(322) जिसे समझना कठिन हो। [2018] — दुर्बोध
(323) अनुचित या बुरा आचरण करने वाला। — दुराचारी
(324) जिस पर आक्रमण न हो सके। [2014] — दुराक्रम्य
(325) अनुचित बात के लिए आग्रह। [2014, 18] — दुराग्रह
(326) वह व्यक्ति जो अपने ऋणों को चुकता करने में असमर्थ हो गया है। [2014] — दिवालिया
(327) दूर तक देखने वाला। — दूरदर्शक
(328) धर्म में रुचि रखने वाला। — धर्मात्मा
(329) शुभकार्य को विधि-विधान से करना। — धर्मानुसार
(330) यात्रियों के लिए धर्मार्थ बना हुआ भवन। — धर्मशाला
(331) दूसरे के बच्चे का पालन-पोषण करने वाली स्त्री। [2016] — धाय
(332) नख से लेकर शिखा तक के सब अंग। — नखशिख
(333) नया उत्पन्न हुआ। — नवजात
(334) युवती जिसका विवाह शीघ्र ही हुआ हो। — नवविवाहिता
(335) नया उदित होने वाला। — नवोदित
(336) जो नष्ट होने वाला हो। [2014, 15] — नश्वर